

IV. मौद्रिक स्थिति

रिज़र्व बैंक के निभावी मौद्रिक नीति रुझान को दर्शाते हुए, मौद्रिक और चलनिधि स्थिति 2009-10 में वृद्धि की सहायक बनी रही। 2009-10 की ति3 में आरक्षित मुद्रा में वृद्धि का मुख्य प्रेरक केंद्र को निवल रिज़र्व बैंक ऋण में काफी वृद्धि था। व्यापक मुद्रा वृद्धि, विशेष रूप से 2009-10 की ति3 से, ने क्रमिक कमी दर्शाई जिसका प्राथमिक कारण निजी क्षेत्र और सरकार को बैंक ऋण वृद्धि में कमी आना था। किंतु, नवंबर 2009 से वाणिज्यिक क्षेत्र को ऋण में गिरावट की प्रवृत्ति उलट गई। गैर-बैंकिंग स्रोतों से वाणिज्यिक क्षेत्र को वित्तीय संसाधन प्रवाह ने भी अप्रैल-जनवरी 2009-10 में काफी वृद्धि दर्शाई।

IV.1 2009-10 में अब तक, रिज़र्व बैंक के निभावी मौद्रिक नीति रुझान ने समग्र मौद्रिक चलनिधि प्रवृत्ति को व्यवस्थित रखा है जो प्रणाली में समग्र ब्याज दर ढांचे पर अधिक दबाव लाए बिना सरकार के उधार कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूरे करना सुनिश्चित करते हुए आर्थिक वृद्धि के पुनरुज्जीवन को सहायता करने की आवश्यकता के संगत है। व्यापक मुद्रा वृद्धि (वर्ष-दर-वर्ष) में 2009-10 की तीसरी तिमाही में कुछ कमी आई और वह 2009-10 की मौद्रिक नीति की दूसरी तिमाही की समीक्षा में निर्धारित किए अनुसार 2009-10 के लिए रिज़र्व बैंक के 17.0 प्रतिशत वृद्धि की अनुमानित सांकेतिक मार्ग के करीब बनी रही। 15 जनवरी 2010 को व्यापक मुद्रा (वर्ष-दर-वर्ष) में वृद्धि एक वर्ष पहले के 19.1 प्रतिशत की तुलना में 16.5 प्रतिशत थी। तीसरी तिमाही से एम₃ की वृद्धि में कमी वाणिज्यिक क्षेत्र को और सरकार को

घटक पक्ष पर जमाराशि वृद्धि में मंदी से मुद्रा के स्रोत पक्ष पर बैंक ऋण में कमी से प्रेरित थी। किंतु, पूरे वर्ष के लिए, सरकार को बैंकिंग प्रणाली से ऋण व्यापक मुद्रा में वृद्धि का मुख्य प्रेरक रहा है जो आर्थिक मंदी की विस्तारकारी राजकोषीय अनुक्रिया के वित्तपोषण के सरकार के उधार कार्यक्रम में वृद्धि की अनुक्रिया में 2008-09 की तीसरी तिमाही से निरंतर बनी हुई है।

IV.2 2009-10 की तीसरी तिमाही में, आरक्षित मुद्रा की संरचना में बदलाव आया जो अक्टूबर 2008 से स्थापित गिरावट की प्रवृत्ति में उलटाव दर्शाता है। आरक्षित मुद्रा के स्रोत पक्ष में, वृद्धि रिजर्व बैंक में रखे सरकारी नकदी अनुशेष में वृद्धि से आंशिक रूप से समायोजित हुए चलनिधि समायोजन सुविधा (एलएएफ) के तहत के रिवर्स रिपो परिचालनों में कमी के कारण केंद्र को निवल रिजर्व बैंक ऋण में हुई काफी वृद्धि से प्रेरित रही है। आरक्षित मुद्रा के घटक पक्ष में, संचलन में मुद्रा में काफी वृद्धि हुई थी जो पिछले वर्ष देखे अनुसार ति3 में मुद्रा की मौसमी मांग के स्वरूप से संगत थी। वर्ष में अब तक, एमएसएस शेषों को जारी करना केंद्र को निवल रिजर्व बैंक ऋण वृद्धि का मुख्य माध्यम रहा है।

IV.3 वाणिज्यिक क्षेत्र को नवंबर 2008 से ऋण प्रवाह कम हो गया था। 2009-10 की दूसरी तिमाही में आर्थिक वृद्धि में उछाल, मजबूत विनिर्माण क्षेत्र वृद्धि और निजी उपभोग मांग से ऋण वृद्धि में गिरावट की प्रवृत्ति ने नवंबर 2009 से उलटाव दर्शाया। गैर-बैंकिंग स्रोतों से वित्तीय संसाधनों का प्रवाह अप्रैल-जनवरी 2009-10 में काफी बढ़ गया जिससे ऋण वृद्धि में गिरावट का प्रभाव आंशिक रूप से समायोजित हो

गया और इससे जून 2009 से औद्योगिक उत्पादन में तेज सुधार और आर्थिक गतिविधियों के वित्तपोषण में सहायता मिली।

मौद्रिक सर्वेक्षण

IV.4 वर्ष-दर-वर्ष आधार पर, एम₃ वृद्धि 15 जनवरी 2010 को एक वर्ष पहले के 19.1 प्रतिशत की तुलना में 16.5 प्रतिशत थी। एम₃ वृद्धि प्राथमिक रूप से इस अवधि में कुल जमाराशि में विस्तार के अनुरूप थी (सारणी 4.1 और चार्ट IV.1)। कुल जमाराशि में, मीयादी जमाराशि ने 15 जनवरी 2010 को एक वर्ष पहले के 23.1 प्रतिशत की तुलना में 16.0 प्रतिशत वृद्धि (वर्ष-दर-वर्ष) दर्ज की (चार्ट IV.2क)। 2009-10 में, ब्याज दर कम होने से मीयादी जमाराशि वृद्धि में क्रमिक गिरावट रही है, जो 2008-09 की दूसरी छमाही में मांग से मीयादी जमाराशि में अंतरण के विपरीत था। दूसरी ओर, मांग जमाराशि 15 जनवरी 2010 को 19.8 प्रतिशत बढ़ी (वर्ष-दर-वर्ष) जबकि एक वर्ष पहले इसमें 0.8 प्रतिशत कमी आई थी। दिसंबर 2007 और जुलाई 2009 के बीच अल्प बचत योजनाओं से निवल बहिर्वाह हुए थे; किंतु अगस्त-नवंबर 2009 (वह अद्यतन अवधि जिसके आंकड़े उपलब्ध हैं) में कम अंतर्वाह दर्ज हुए (चार्ट IV.2ख)। लोगों के पास मुद्रा में वृद्धि 15 जनवरी 2010 को 17.3 प्रतिशत (वर्ष-दर-वर्ष) लगभग एक वर्ष पहले जैसी ही बनी रही।

IV.5 वित्तीय वर्ष आधार पर, 2009-10 में (15 जनवरी 2010 तक) एम₃ में वृद्धि 10.8 प्रतिशत थी

सारणी 4.1: मौद्रिक संकेतक					
(राशि करोड़ रूप में)					
मद	15 जनवरी 2010 को बकाया	घट-बढ़ (वर्ष-दर-वर्ष)			
		16 जनवरी 2009		15 जनवरी 2010	
		समग्र	प्रतिशत	समग्र	प्रतिशत
1	2	3	4	5	6
I. आरक्षित मुद्रा* (सीआरआर में परिवर्तन हेतु समायोजित)	10,29,259	34,963	4.2 (18.0)	1,57,100	18.0 (17.5)
II. संकीर्ण मुद्रा (एम ₁)	13,51,349	90,219	8.6	2,08,294	18.2
III. व्यापक मुद्रा (एम ₃)	52,79,684	7,25,819	19.1	7,49,504	16.5
क) जनता के पास मुद्रा	7,48,417	93,642	17.2	1,10,466	17.3
ख) सकल जमाराशि	45,27,403	6,31,702	19.4	6,40,409	16.5
i) मांग जमाराशियां	5,99,068	-3,898	-0.8	99,199	19.8
ii) मीयादी जमाराशियां	39,28,334	6,35,600	23.1	5,41,210	16.0
IV. व्यापक मुद्रा के प्रमुख स्रोत					
क) सरकार को निवल बैंक ऋण (i+ii)	15,27,055	3,19,924	38.2	3,69,653	31.9
i) सरकार को रिजर्व बैंक का निवल बैंक ऋण	91,433	1,27,742	-	1,19,570	-
जिसमें से : केन्द्र को	91,400	1,27,184	-	1,19,895	-
ii) सरकार को अन्य बैंकों का ऋण	14,35,622	1,92,182	19.3	2,50,083	21.1
ख) वाणिज्यिक क्षेत्र को बैंक ऋण	32,51,562	4,86,966	20.5	3,88,090	13.6
ग) बैंकिंग क्षेत्र की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां	13,23,797	1,20,844	10.5	55,606	4.4
घ) जनता के प्रति सरकार की मुद्रा देयताएँ	10,731	791	8.7	890	9.0
ड) बैंकिंग क्षेत्र की निवल मुद्देतर देयताएँ	8,33,461	2,02,706	35.8	64,735	8.4

*: आंकड़े 22 जनवरी 2010 के हैं।

टिप्पणी: आंकड़े अंतिम हैं। जहां आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं वहां पिछले अंतिम माह के आंकड़ अनुमान के लिए दोहराए गए हैं।

जो कि पिछले वर्ष के समकाल में 12.8 प्रतिशत थी (सारणी 4.2)।

IV.6 बैंक ऋण का तिमाही-वार विश्लेषण दर्शाता है कि 2009-10 की तीसरी तिमाही में वाणिज्यिक क्षेत्र को

बैंक ऋण में निरंतर विस्तार हो रहा था जबकि पहली तिमाही में निरपेक्ष गिरावट हुई थी यद्यपि ऋण में निरपेक्ष वृद्धि दूसरी तिमाही और पिछले वर्ष के समकाल की तुलना में बहुत कम थी (चार्ट IV.3)। तीसरी तिमाही



मौद्रिक नीति वक्तव्य
2009-10

समष्टि आर्थिक और
मौद्रिक गतिविधियां
तीसरी तिमाही की समीक्षा
2009-10

सारणी : 4.2 : मौद्रिक समुच्चय - घटबढ़

(करोड़ रुपए)

मद	2008-09 (16 जनवरी 2009 तक)	2009-10 (15 जनवरी 2010 तक)	2008-09				2009-10		
			ति.1	ति.2	ति.3	ति.4	ति.1	ति.2	ति.3
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
एम₃ (1+2+3 = 4+5+6+7-8)	5,12,297 (12.8)	5,15,664 (10.8)	89,283	1,76,379	1,60,486	3,19,989	1,70,948	1,59,421	1,14,934
घटक									
1. जनता के पास मुद्रा	69,541 (12.2)	82,054 (12.3)	35,772	-18,037	40,405	39,813	24,402	2,651	45,118
2. बैंकों में सकल जमाशियां	4,46,576 (13.0)	4,35,320 (10.6)	57,621	1,93,902	1,13,039	2,87,103	1,42,506	1,62,314	68,835
2.1. बैंकों में मांग जमाशियां	-78,503 (-13.6)	17,821 (3.1)	-79,325	52,771	-62,157	91,586	-34,146	65,695	-29,579
2.2. बैंकों में मीयादी जमाशियां	5,25,079 (18.3)	4,17,499 (11.9)	1,36,946	1,41,131	1,75,195	1,95,517	1,76,652	96,619	98,414
3. आरबीआई के पास 'अन्य' जमाशियां	-3,819 (-42.2)	-1,706 (-30.7)	-4,110	514	7,042	-6,928	4,040	-5,544	980
घोत									
4. सरकार को बैंक का निवल ऋण	2,57,884 (28.7)	2,49,856 (19.6)	36,124	31,654	1,29,335	1,80,568	1,19,062	70,292	18,615
4.1. सरकार को भारिबैंक का निवल ऋण	85,072	29,853	-13	51,360	30,230	93,212	-11,145	-14,953	51,428
4.1.1. केन्द्र को भारिबैंक का निवल ऋण	86,141	29,638	1,430	51,379	29,932	93,657	-11,497	-14,968	51,597
4.2. सरकार को अन्य बैंकों का ऋण	1,72,812	2,20,003	36,137	-19,706	99,106	87,356	1,30,207	85,244	-32,813
5. वाणिज्यिक क्षेत्र को बैंक ऋण	2,84,482 (11.0)	2,38,225 (7.9)	30,811	1,63,138	90,616	1,49,783	-7,762	1,09,283	68,436
6. बैंकिंग क्षेत्र का एनएफए	-26,941	-28,387	66,858	7,271	-1,32,461	1,15,385	-37,923	47,908	-15,108
6.1. भारिबैंक का एनएफए	-10,670	-5,002	1,03,932	10,336	-1,56,330	86,048	-16,750	50,120	-15,108
7. जनता के प्रति सरकार की मुद्रा देयताएं	618	677	225	206	186	213	254	302	121
8. बैंकिंग क्षेत्र की निवल मुदेतर देयताएं	3,747	-55,293	44,735	25,890	-72,809	1,25,959	-97,318	68,363	-42,870

एनएफए: निवल विदेशी आस्तियां।

टिप्पणी: 1. आंकड़े अर्न्ततम हैं। जहां आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं वहां पिछले अंतिम माह के आंकड़े अनुमान के लिए दोहराए गए हैं।

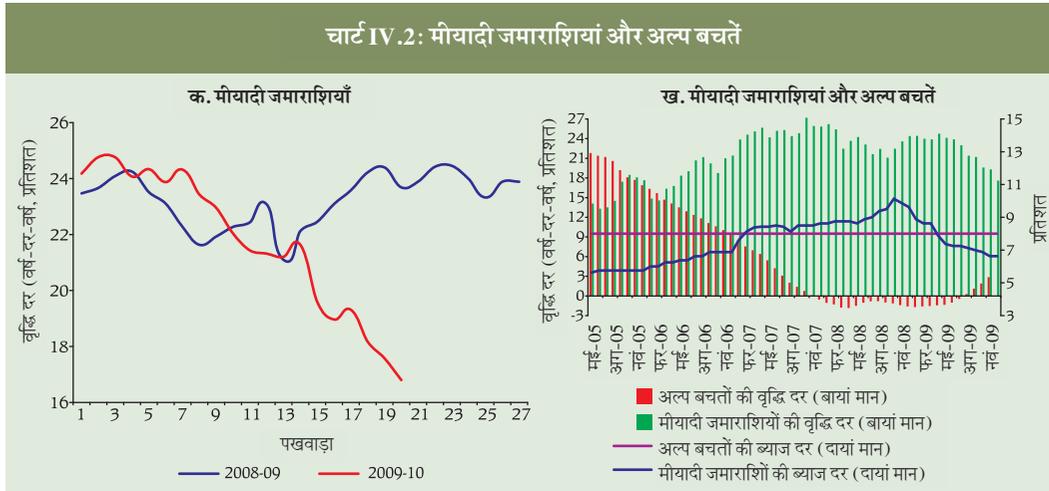
2. कोष्ठकों के आंकड़े प्रतिशत अंतर हैं।

में सरकार को बैंक ऋण में निरपेक्ष संदर्भ में गिरावट आई जिसका कारण एलएएफ परिचालनों के तहत उनके द्वारा धारित प्रतिभूतियों में कमी आना था। 2009-10 की ति3 से सरकार को वाणिज्यिक बैंक ऋण में कमी को 2008-09 की दूसरी छमाही के उच्च आधार के संदर्भ में देखा जाना है जब राजकोषीय प्रोत्साहन की सुपुर्दगी और

2009-10 की पहली छमाही में उधार कार्यक्रम के बड़े भाग की पूर्णता के कारण सरकारी उधार कार्यक्रम बढ़ गया था।

IV.7 अनुसूचित वाणिज्य बैंकों (एससीबी) की खाद्येतर ऋण वृद्धि (वर्ष-दर-वर्ष) अक्टूबर 2008 में शीर्ष पर पहुंचने के बाद बारह महीनों में कम हो गई जो आंशिक

चार्ट IV.2: मीयादी जमाराशियां और अल्प बचतें

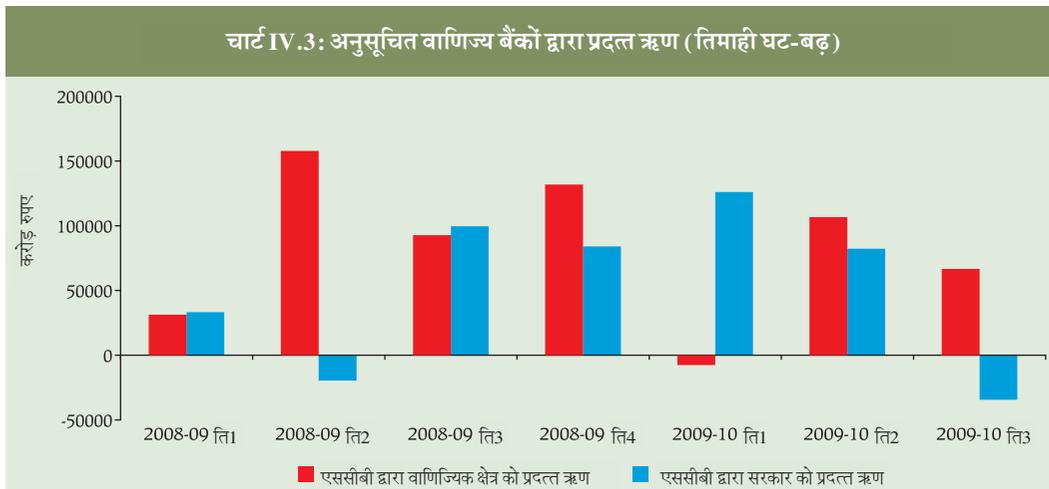


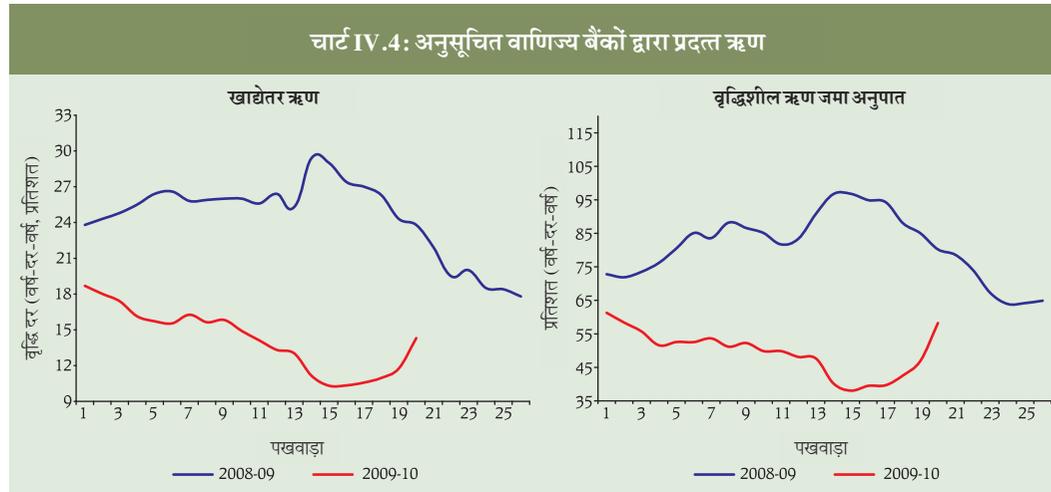
रूप से मांग पक्ष से ऋण पर आर्थिक मंदी के प्रभाव के अलावा कंपनियों के आंतरिक संसाधनों सहित निधीयन के वैकल्पिक गैर-बैंकिंग स्रोतों की उपलब्धता से स्पष्ट की जा सकती है। खाद्येतर ऋण वृद्धि ने नवंबर 2009 से प्रवृत्ति में उलटाव दिखाया है और यह 6 नवंबर 2009 के 10.3 प्रतिशत (वर्ष-दर-वर्ष) से बढ़कर 15 जनवरी 2010 को 14.4 प्रतिशत हुई; 2009-10 के लिए रिजर्व बैंक का चालू सांकेतिक अनुमान 18.0 प्रतिशत है। पिछले

कुछ पखवाड़ों में ऋण वृद्धि में देखी गई तेजी से 2009-10 में वृद्धिशील ऋण-जमा अनुपात में लगातार गिरावट भी उलट गई (चार्ट IV.4)।

IV.8 पूरे बैंकिंग क्षेत्र में ऋण वृद्धि में कमी रही है, वहीं विदेशी बैंकों से ऋण प्रवाह ने गिरावट दर्शाई (सारणी 4.3)। सरकारी क्षेत्र के बैंकों से ऋण में विस्तार, जो 2009-10 की पहली तिमाही तक रोका गया था, वह बाद की दो तिमाहियों में कम हो गया।

चार्ट IV.3: अनुसूचित वाणिज्य बैंकों द्वारा प्रदत्त ऋण (तिमाही घट-बढ़)





IV.9 जमाराशि में तेज वृद्धि और निजी क्षेत्र से ऋण के लिए कम मांग के चलते एसएलआर प्रतिभूतियों में एससीबी का निवेश 15 जनवरी 2010 को 21.1 प्रतिशत बढ़ा (वर्ष-दर-वर्ष) जबकि एक वर्ष पहले यह 19.5 प्रतिशत बढ़ा था। वाणिज्य बैंकों की ऐसी प्रतिभूतियों की धारिता 15 जनवरी 2010 को उनकी निवल मांग और समय देयताओं (एनडीटीएल) के 29.9 प्रतिशत थी जो मार्च 2009 के अंत के 28.1 प्रतिशत और एक वर्ष पहले के 28.8 प्रतिशत से अधिक थी। एससीबी का अतिरिक्त एसएलआर निवेश मार्च 2009 के अंत के

1,69,846 करोड़ रुपए से बढ़कर 15 जनवरी 2010 को 2,26,720 करोड़ रुपए हो गया। बकाया आधार पर एलएएफ संपार्श्विक प्रतिभूतियों के लिए समायोजित, एससीबी की एसएलआर प्रतिभूतियों में धारिता 15 जनवरी 2010 को एनडीटीएल के 28.2 प्रतिशत थी। उसी समय, एससीबी ने उनके विदेशी मुद्रा उधार कम कर लिए थे (सारणी 4.4)।

IV.10 2009-10 में आर्थिक वृद्धि में काफी सुधार हुआ, मुद्रास्फीति बढ़ी और ब्याज दरों में कमी आई। वृद्धि,

सारणी 4.3: अनुसूचित वाणिज्य बैंकों द्वारा प्रदत्त ऋण

(राशि करोड़ रुपए में)

बैंक समूह	15 जनवरी 2010 को बकाया	घट-बढ़ (वर्ष-दर-वर्ष)			
		16 जनवरी 2009 को		15 जनवरी 2010 को	
		राशि	प्रतिशत	राशि	प्रतिशत
1	2	3	4	5	6
1. सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक (आरआरबी छोड़कर)	22,41,219	4,08,390	27.0	3,22,500	16.8
2. विदेशी बैंक	1,55,532	20,374	13.4	-16,720	-9.7
3. निजी बैंक	5,37,025	40,045	8.9	47,940	9.8
4. सभी अनुसूचित वाणिज्य बैंक *	30,08,909	4,76,514	22.0	3,66,832	13.9

*: आरआरबी सहित।
टिप्पणी: आंकड़े अनंतिम हैं।

सारणी 4.4: अनुसूचित वाणिज्य बैंक सर्वेक्षण

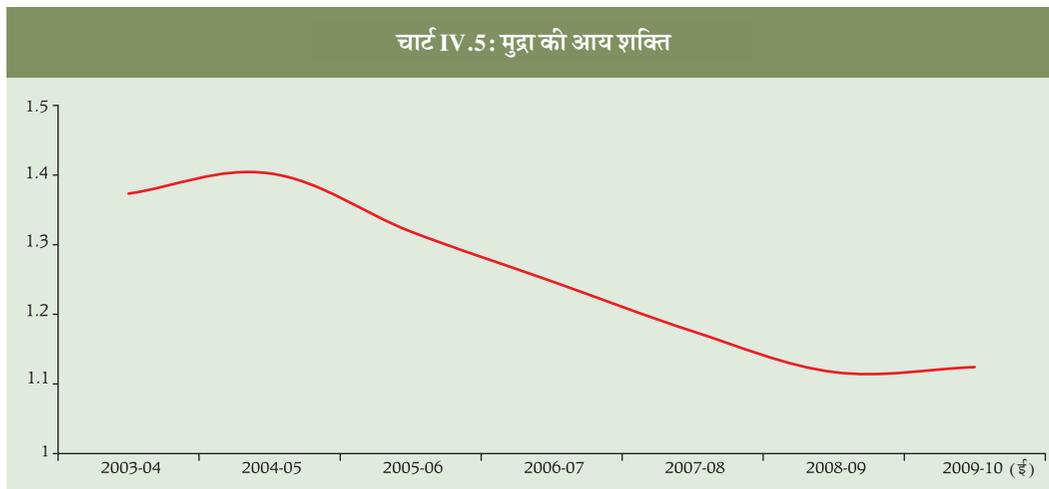
(राशि करोड़ रुपए में)					
मद	15 जनवरी 2010 को बकाया	घट-बढ़ (वर्ष-दर-वर्ष)			
		16 जनवरी 2009 को		15 जनवरी 2010 को	
		राशि	प्रतिशत	राशि	प्रतिशत
1	2	3	4	5	6
निधियों के स्रोत					
1. सकल जमाराशियां	41,75,437	6,00,101	20.2	6,08,143	17.1
2. वित्तीय संस्थाओं से मांग/मीयादी निधीयन	1,00,037	20,863	21.8	-16,395	-14.1
3. विदेशों से विदेशी मुद्रा उधारियां	29,006	18,166	54.0	-22,830	-44.0
4. पूंजी	51,610	7,334	18.5	4,637	9.9
5. आरक्षित निधि	3,29,052	58,085	25.9	46,817	16.6
निधियों के उपयोग					
1. बैंक ऋण	30,08,909	4,76,514	22.0	3,66,832	13.9
उनमें से : खाद्योत्तर ऋण	29,66,375	4,66,002	21.9	3,73,993	14.4
2. सरकारी और अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियों में निवेश	13,80,157	1,85,779	19.5	2,40,878	21.1
क) सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश	13,66,055	1,88,191	20.0	2,37,566	21.1
ख) अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियों में निवेश	14,102	-2,412	-18.3	3,312	30.7
3. गैर-एसएलआर प्रतिभूतियों में निवेश	2,58,901	29,723	15.4	35,932	16.1
4. विदेशी मुद्रा आस्तियां	38,530	-10,390	-19.0	-5,848	-13.2
5. भा.रि.बैंक के पास शेष	2,30,565	-39,512	-15.7	17,986	8.5

टिप्पणी : आंकड़े अर्न्तम हैं।

मुद्रास्फीति और ब्याज दरों में ऐसी ऊंची परिवर्तनीयता से, मुद्रा वृद्धि का आकलन मुद्रा की आय शक्ति की हाल की प्रवृत्ति से मिलाकर करना होगा (चार्ट IV.5)। पञ्चप्रवण अनिश्चितता के साथ, शक्ति बढ़ना अपेक्षित

था, जो समग्र समष्टिआर्थिक विकास से संगत मुद्रा आपूर्ति में आंशिक रूप से थोड़ी कमी स्पष्ट करता है। हालांकि मुद्रा वृद्धि में कमी के पीछे का मुख्य कारक निजी क्षेत्र को ऋण वृद्धि में कमी रहा है।

चार्ट IV.5: मुद्रा की आय शक्ति



IV.11 20 नवंबर 2009 तक के सकल बैंक ऋण के सेक्टर-वार नियोजन के असमेकित आंकड़े दर्शाते हैं कि कृषि को ऋण प्रवाह कम मानसून संबंधी दुर्बल आर्थिक गतिविधियों के बावजूद मजबूत बना रहा जबकि अन्य क्षेत्रों को ऋण में काफी कमी आई। वृद्धिशील ऋण के प्रवाह के संदर्भ में, वृद्धिशील खाद्येतर ऋण (वर्ष-दर-वर्ष) का 56.1 प्रतिशत उद्योग द्वारा 23.7 प्रतिशत कृषि

क्षेत्र द्वारा अवशोषित किया गया था (पिछले वर्ष के समकाल में क्रमशः 50.7 प्रतिशत और 9.3 प्रतिशत)। इस अवधि में उद्योग को वृद्धिशील खाद्येतर ऋण के विस्तार में बुनियादी ढांचा और लोहा और इस्पात उद्योग मुख्य थे। निजी ऋण में इस श्रेणी में ऋण प्रवाह में कमी देखी गई और आवास ऋण में भी कमी देखी गई (सारणी 4.5)।

सारणी 4.5: प्रमुख क्षेत्रों द्वारा प्रदत्त सकल बैंक ऋण का अभिनियोजन

क्षेत्र	20 नवंबर 2009 को बकाया	वर्ष-दर-वर्ष घट-बढ़			
		21 नवंबर 2008		20 नवंबर 2009	
		समग्र	प्रतिशत	समग्र	प्रतिशत
1	2	3	4	5	6
खाद्येतर सकल बैंक ऋण (1 से 4)	27,16,217	5,38,144	28.0	2,55,736	10.4
1. कृषि और संबंधित कार्य	3,43,070	49,994	21.5	60,505	21.4
2. उद्योग	11,53,722	2,72,698	37.0	1,43,547	14.2
3. वैयक्तिक ऋण	5,67,744	65,902	13.2	3,958	0.7
आवास	2,91,760	22,713	9.1	19,820	7.3
मीयादी जमाराशियों पर अग्रिम	44,820	11,026	27.7	-6,008	-11.8
क्रेडिट कार्ड बकाया राशि	22,635	6,147	25.7	-7,412	-24.7
शिक्षा	34,419	7,276	38.3	8,154	31.0
उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुएं	8,028	-990	-9.8	-1,069	-11.8
4. सेवाएं	6,51,681	1,49,550	32.9	47,726	7.9
परिवहन परिचालक	40,455	7,174	24.4	3,862	10.6
व्यावसायिक सेवाएं	45,963	19,100	80.1	3,025	7.0
व्यापार	1,56,082	23,180	20.5	19,632	14.4
स्थावर संपदाओं के लिए ऋण	88,581	25,276	49.0	11,734	15.3
गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियां	1,02,750	30,147	54.0	16,735	19.5
<i>जापन :</i>					
प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र	9,49,428	1,51,556	22.6	1,26,674	15.4
व्यष्टि और लघु उद्यम *	3,35,654	46,949	20.0	54,313	19.3
उद्योग	11,53,722	2,72,698	37.0	1,43,547	14.2
खाद्य प्रसंस्करण	53,642	9,540	23.2	2,996	5.9
वस्त्रोद्योग	1,07,948	17,556	21.2	7,430	7.4
कागज एवं कागज के उत्पाद	17,284	3,564	29.7	1,709	11.0
पेट्रोलियम, कोयला उत्पाद एवं नाभिकीय ईंधन	68,021	52,233	149.2	-19,228	-22.0
रसायन एवं रासायनिक उत्पाद	76,641	21,383	39.2	739	1.0
रबर, प्लास्टिक एवं उनके उत्पाद	13,845	3,257	33.4	850	6.5
लोहा तथा इस्पात	1,15,475	18,219	23.7	20,356	21.4
अन्य धातु तथा धातु के उत्पाद	31,829	8,278	39.2	2,427	8.3
इंजीनियरिंग	65,472	13,091	26.5	2,963	4.7
वाहन, वाहन के पुर्जे तथा परिवहन उपकरण	35,973	11,051	42.5	-1,079	-2.9
रत्न तथा आभूषण	30,482	3,494	14.5	2,810	10.2
निर्माण	37,376	12,858	59.9	3,067	8.9
बुनियादी ढांचा	3,34,293	63,178	38.6	1,07,255	47.2

*: व्यष्टि और लघु उद्यम में सेवा क्षेत्र के उद्यम भी शामिल हैं।

टिप्पणी : आंकड़े अनंतिम हैं और चुनिंदा बैंकों से संबंधित हैं और सभी एससीबी द्वारा दिए गए कुल खाद्येतर ऋण केलगभग 95 प्रतिशत को कवर करते हैं। आंकड़ों में भारत ओवरसीज बैंक के इंडियन ओवरसीज बैंक के साथ, अमरीकन एक्सप्रेस बैंक के स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक के साथ और स्टेट बैंक ऑफ सौराष्ट्र के भारतीय स्टेट बैंक के साथ हुए विलय का प्रभाव शामिल है।

IV.12 बैंकों के अलावा, वाणिज्यिक क्षेत्र ने विभिन्न अन्य स्रोतों, जैसे पूंजी बाजार, वाणिज्यिक पत्र (सीपी), अमरीकी निक्षेपागार रसीदें (एडीआर)/ वैश्विक निक्षेपागार रसीदें (जीडीआर) और विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (एफडीआइ) से संसाधन जुटाए। 2009-10 के पहले दस महीनों में, बाह्य स्रोतों से संसाधनों का प्रवाह पिछले वर्ष के समकाल की तुलना में बढ़ गया जो मुख्यतः बड़े

एफडीआइ अंतर्वाह दर्शाता है। देशी बैंकेतर स्रोतों के माध्यम से जुटाए गए संसाधनों ने भी इस अवधि में वृद्धि दर्ज की। बैंकेतर स्रोतों से बड़े हुए प्रवाह, बैंक ऋण प्रवाह कम होने के बावजूद, से एक वर्ष पूर्व की तुलना में अप्रैल 2009-जनवरी 2010 में वाणिज्यिक क्षेत्र को वित्तीय संसाधनों का कुल प्रवाह कम हो गया (सारणी 4.6)।

सारणी 4.6: वाणिज्य क्षेत्रों की ओर वित्तीय संसाधनों का प्रवाह

मद	(करोड़ रुपए)			
	पूरा वर्ष		अप्रैल-जनवरी	
	2007-08	2008-09	2008-09	2009-10
1	2	3	4	5
अ. समायोजित खाद्येतर बैंक ऋण	4,44,807	4,21,091	2,83,855	2,31,024
i) खाद्येतर ऋण	4,32,846	4,11,824	2,74,867	2,37,036 \$
जिसमें से : पेट्रोलियम और उर्वरक ऋण	5,057	31,632	50,436	-181 *
ii) एससीबी द्वारा गैर-एसएलआर निवेश	11,961	9,267	8,988	-6,012 \$
आ. गैर बैंकों से ऋण प्रवाह (आ.1+आ.2)	5,61,511	5,01,014	3,10,888	3,58,392
आ.1 देशी स्रोत	2,55,230	3,13,639	1,66,941	1,94,758
1. वित्तेतर संस्थाओं द्वारा सार्वजनिक निर्गम	51,478	14,205	13,559	19,791 ^
2. वित्तेतर संस्थाओं द्वारा सकल निजी स्थानन	68,249	77,856	44,151	81,617 \$\$
3. बैंक से इतर द्वारा अभिदान किए गए वाणिज्य पत्रों का निवल निर्गम	10,660	5,590	4,390	47,744 **
4. आवास वित्त कंपनियों से निवल ऋण	41,841	25,876	29,063	9,852 *
5. आरबीआइ विनियमित 4 अखिल भारतीय वित्तीय संस्थाओं- नाबार्ड, एनएचबी, सिडबी और एक्जिम् बैंक द्वारा प्रदत्त सकल सहायता	22,267	31,423	9,839	-1,461 ^
6. प्रणालीगत रूप से महत्वपूर्ण जमाराशियां न लेने वाली एनबीएफसी (बैंक ऋण घटा कर)	36,460	76,828	15,661	1,889 *
7. एलआइसी का कारपोरेट ऋण, बुनियादी ढांचे तथा सामाजिक क्षेत्र में निवल निवेश	24,275	81,861	50,278	35,326 ^
आ.2 विदेशी स्रोत	3,06,281	1,87,375	1,43,947	1,63,634
1. बाह्य वाणिज्यिक उधार / एफसीसीबी	91,086	36,931	31,969	23,874 ^
2. एडीआर / जीडीआर निर्गम, बैंकों और वित्तीय संस्थाओं को छोड़कर	11,836	4,788	4,686	14,476 ^
3. विदेश से अल्पावधि ऋण	63,939	-12,972	6,799	4,447 *
4. भारत में विदेशी प्रत्यक्ष निवेश	1,39,420	1,58,628	1,00,493	1,20,837 *
इ. संसाधनों का कुल प्रवाह(अ+आ)	10,06,318	9,22,105	5,94,743	5,89,416
ज्ञापन:				
म्यूच्युअल फंडों के ऋण (गिल्ट से इतर) में निवेश	88,457	-32,168	-28,793	1,50,085 ^

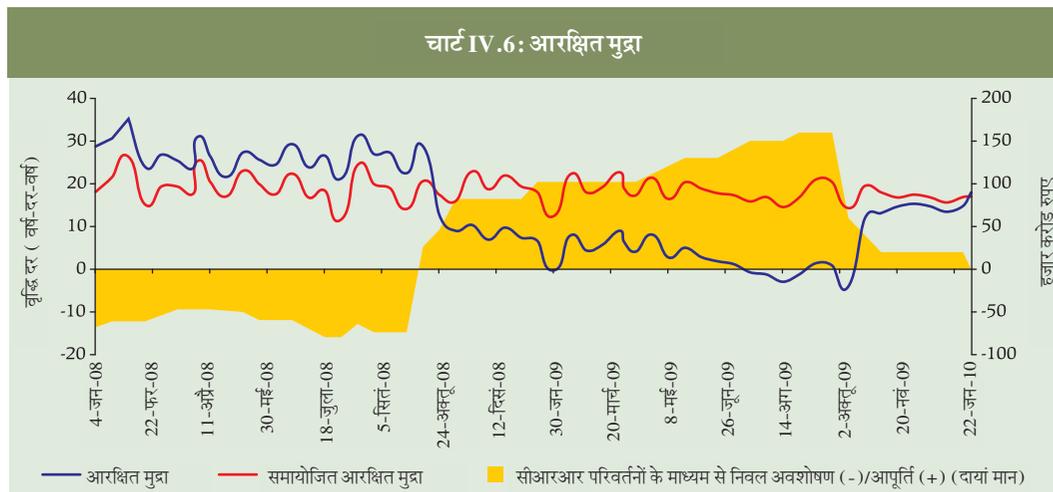
\$: 15 जनवरी 2010 तक। *: अप्रैल-नवंबर। \$\$: अप्रैल-सितंबर। **: 1 जनवरी 2010 तक। ^: अप्रैल-दिसंबर।

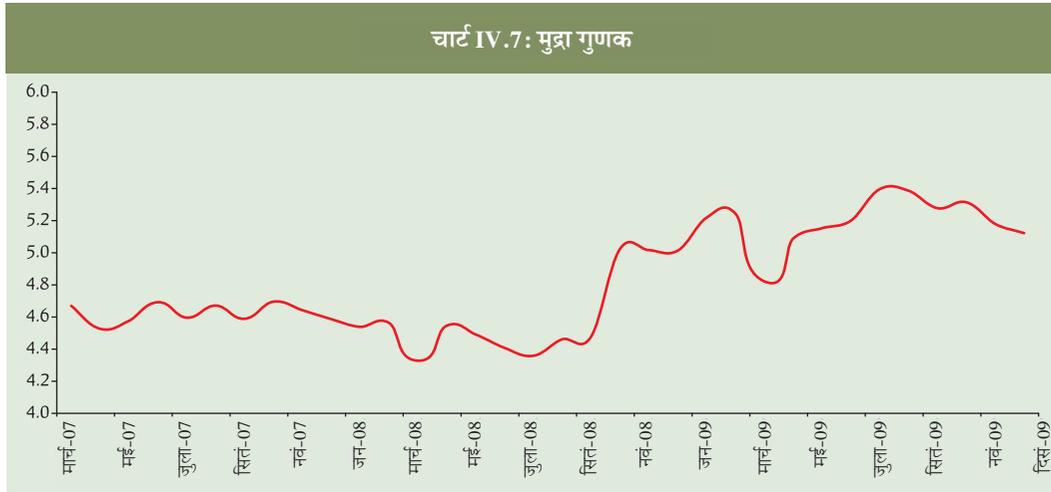
आरक्षित मुद्रा सर्वेक्षण

IV.13 2009-10 की तीसरी तिमाही में, आरक्षित मुद्रा में वृद्धि ने अक्टूबर 2008 से बनी रही कमी की प्रवृत्ति में उलटाव दर्शाया। आरक्षित मुद्रा ने 22 जनवरी 2010 को 18.0 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की, वर्ष-दर-वर्ष, जबकि एक वर्ष पूर्व 4.2 प्रतिशत वृद्धि दर्ज हुई थी। घटक पक्ष में, 2009-10 की तीसरी तिमाही में आरक्षित मुद्रा में वृद्धि मुख्यतः त्यौहारी मौसम से उभरी मौसमी मांग के कारण संचलन में मुद्रा बढ़ने से प्रेरित थी। स्रोत पक्ष में, निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां (मूल्यन हेतु समायोजित) 2009-10 की ति3 में कम हो जाने के बावजूद, रिजर्व बैंक के चलनिधि प्रबंधन परिचालनों से केंद्र को रिजर्व बैंक के ऋण में वृद्धि हुई। रिजर्व रिपो शेषों में हुई काफी गिरावट किसी सीमा तक रिजर्व बैंक में केंद्र के अधिशेष में वृद्धि से संतुलित हो गई। सीआरआर में परिवर्तन के पहले चक्र के प्रभाव के लिए समायोजित, 22 जनवरी 2010 को आरक्षित मुद्रा में वृद्धि (वर्ष-

दर-वर्ष) 17.5 प्रतिशत थी जो एक वर्ष पहले के 18.0 प्रतिशत से तुलनीय है। सीआरआर का प्रभाव (सीआरआर में नीति-प्रेरित कमी के समय चलनिधि की आपूर्ति और सीआरआर में वृद्धि के समय चलनिधि अवशोषण) 'आरक्षित मुद्रा' और 'समायोजित आरक्षित मुद्रा' के बीच अंतर स्पष्ट करता है। चूंकि सीआरआर में पिछला परिवर्तन जनवरी 2009 में किया गया था, अतः आरक्षित मुद्रा और समायोजित आरक्षित मुद्रा की वृद्धि दर के बीच का अंतर एक वर्ष के चक्र, जब अंतर बना हुआ था, के बाद कम हो गया (चार्ट IV.6)।

IV.14 मुद्रा बहुगुणक अक्टूबर 2008 और जनवरी 2009 के बीच सीआरआर में 400 आधार अंकों की कमी के आधार पर मार्च 2008 के अंत के 4.3 प्रतिशत से बढ़कर 4.8 प्रतिशत हो गया। बहुगुणक 2009-10 में अब तक ऊंचा बना हुआ है, हालांकि अबाध तरीके से नहीं, और यह दिसंबर 2009 के अंत में 5.1 प्रतिशत पर पहुंच गया (चार्ट IV.7)।





IV.15 2009-10 में (22 जनवरी 2010 तक) आरक्षित मुद्रा में वित्तीय वर्ष भिन्नता दर्शाती है कि आरक्षित मुद्रा 4.2 प्रतिशत बढ़ी जबकि पिछले वर्ष के समकाल में यह 6.0 प्रतिशत कम हुई थी (सारणी 4.7 और चार्ट IV.8)।

IV.16 वित्तीय वर्ष (22 जनवरी 2010 तक) में केंद्र सरकार को रिज़र्व बैंक के निवल ऋण में घट-बढ़ ने मुख्य रूप से रिज़र्व बैंक के चलनिधि प्रबंधन परिचालन और रिज़र्व बैंक में केंद्र सरकार की जमाराशि में बदलाव दर्शाया। नवंबर 2008 के मध्य से प्रचलित अनुकूल चलनिधि स्थिति से, रिज़र्व बैंक एलएएफ के तहत रिर्व रिपो के माध्यम से चलनिधि की भारी मात्रा का अवशोषण करता आ रहा है। तदनुसार, रिज़र्व बैंक की सरकारी प्रतिभूतियों की धारिता (22 जनवरी 2010 तक) कम हो गई जिसका कारण एलएएफ के तहत अवशोषण में वृद्धि (68,845 करोड़ रुपए से) था। रिज़र्व बैंक के साथ केंद्र का अतिरिक्त नकदी शेष भी बढ़ा (51,220

करोड़ रुपए से) था। दूसरी ओर, एमएसएस प्रतिभूतियों की मुक्ति (80,340 करोड़ रुपए से) से रिज़र्व बैंक में केंद्र सरकार की जमाराशि कम हो गई जिससे केंद्र को निवल रिज़र्व बैंक ऋण बढ़ गया। इसके अलावा, ओएमओ/विशेष बाजार परिचालन (एसएमओ) के तहत निवल खुले बाजार क्रय से रिज़र्व बैंक द्वारा केंद्र सरकारी प्रतिभूतियों/बांडों की धारिता में वृद्धि हुई (75,477 करोड़ रुपए से)। इन घटनाओं का संयुक्त प्रभाव दर्शाते हुए, रिज़र्व बैंक का केंद्र को निवल ऋण 2009-10 में (22 जनवरी 2010 तक) बढ़ गया जो पिछले वर्ष के समकाल की वृद्धि से कम है।

IV.17 कुल मिलाकर, रिज़र्व बैंक का निभावी मौद्रिक नीति रुझान दर्शाते हुए, मौद्रिक और चलनिधि स्थिति वृद्धि की सहायक बनी रहीं। घटक पक्ष में जमाराशि वृद्धि और स्रोत पक्ष में सरकार को बैंकिंग प्रणालीगत ऋण में उंची वृद्धि वर्ष के दौरान मौद्रिक समुच्चयों में वृद्धि के मुख्य प्रेरक बने रहे। 2009-10 की तीसरी तिमाही से,

मौद्रिक नीति वक्तव्य
2009-10

समष्टि आर्थिक और
मौद्रिक गतिविधियां
तीसरी तिमाही की समीक्षा
2009-10

सारणी 4.7 : आरक्षित मुद्रा - घटबढ़

(राशि करोड़ रुपए)

मद	2008-09 (अप्रैल मार्च)	2008-09 (23 जनवरी तक)	2009-10 (22 जनवरी तक)	2008-09				2009-10		
				ति.1	ति.2	ति.3	ति.4	ति.1	ति.2	ति.3
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
आरक्षित मुद्रा	59,698	-56,144	41,258	3,416	25,218	-70,454	1,01,519	-38,932	16,217	51,691
घटक (1+2+3)										
1. संचलन में मुद्रा	1,00,352	69,286	84,242	36,859	-14,516	38,277	39,733	29,692	1,081	45,254
2. भारिबैं के पास बैंकों की जमाराशियां	-37,172	-1,21,639	-41,097	-29,333	39,219	-1,15,773	68,714	-72,664	20,680	5,456
3. भारिबैं के पास 'अन्य' जमाराशियां	-3,482	-3,791	-1,888	-4,110	514	7,042	-6,928	4,040	-5,544	980
स्रोत (1+2+3+4-5)										
1. भारिबैं द्वारा सरकार को दिए गए निवल ऋण	1,74,789	64,020	33,555	-13	51,360	30,230	93,212	-11,145	-14,953	51,428
जिसमें से : केंद्र को	1,76,397	65,183	33,267	1,430	51,379	29,932	93,657	-11,497	-14,968	51,597
2. भारिबैं द्वारा बैंकों और वाणिज्यिक क्षेत्र को दिए गए ऋण	17,799	4,247	-18,650	-3,358	4,963	5,032	11,163	-9,623	-3,747	-5,926
3. रिजर्व बैंक की निवल विदेशी आस्तियां	43,986	-22,813	-2,036	1,03,932	10,336	-1,56,330	86,048	-16,750	50,120	-15,108
जिसमें से :										
एफसीए, पुनर्मूल्यन के लिए समायोजित	-1,00,308	-98,803	9,283	15,535	-31,641	-92,102	7,900	-6,245	33,441	-18,985
4. जनता के प्रति सरकार की मुद्रा देयताएं	831	618	677	225	206	186	213	254	302	121
5. भारिबैं की निवल गैर मुद्रा देयताएं	1,77,706	1,02,216	-27,712	97,369	41,648	-50,428	89,117	1,668	15,505	-21,176
जापन:										
निवल देशी आस्तियां	15,712	-33,331	43,294	1,00,516	14,882	85,876	15,471	-22,182	-33,903	66,799
एलएफए - रिपो (+) /रिवर्स रिपो (-)	-51,835	-97,530	-68,845	-45,350	51,480	-62,170	4,205	-13,280	28,170	67,765
निवल खुले बाजार की बिक्री # *	-94,548	-33,520	-75,477	-8,696	-10,535	-7,669	-67,649	-42,001	-31,591	-1,894
केंद्र का अधिशेष	-60,367	-76,586	51,220	-42,427	6,199	-32,830	8,691	-13,156	77,713	17,519
एमएसएस शेष	-80,315	-58,698	-80,340	6,040	-628	-53,754	-31,973	-65,187	-4,117	0
प्राधिकृत व्यापारियों से निवल खरीद (+) /बिक्री (-)	-1,78,592	-1,60,127	-12,794	3,956	-52,761	-1,11,877	-17,910	-15,889	2,538	315
एनएफए/आरक्षित मुद्रा @	129.6	139.1	124.2	143.8	141.1	134.7	129.6	133.1	136.1	127.7
एनएफए/मुद्रा @	185.2	183.8	164.8	213.5	220.2	183.3	185.2	175.3	181.9	169.2

एनएफए: निवल विदेशी आस्तियां। एफसीए: विदेशी मुद्रा आस्तियां।

*: अंकित मूल्य पर। #: खजाना बिलों को छोड़कर। @: प्रतिशत; अवधि के अंत में।

टिप्पणी: चौथी तिमाही के आंकड़े 31 मार्च के हैं और अन्य सभी तिमाहियों के आंकड़े रिपोर्ट करने के लिए नियत अंतिम शुक्रवार के हैं।

सरकार और निजी क्षेत्र दोनों को ऋण वृद्धि में कमी रही है जिससे व्यापक मुद्रा वृद्धि ने कुछ गिरावट दर्शाई। जमाराशि वृद्धि भी 2009-10 की तीसरी तिमाही से कम

हो गई। आगे, ऊंचे पूंजी अंतर्वाहों और निजी क्षेत्र से ऋण के लिए मांग का पुनरुज्जीवन मौद्रिक स्थिति में वृद्धि पथ को प्रभावित कर सकता है।

